प्रदेश में 9 ऐतिहासिक धरोहरों को लग्जरी होटल समेत एडैप्टवि रीयूज एसेट्स में बदलने की प्रक्रयिा शुरू

चर्चा में क्यों?

16 नवंबर, 2023 को मीडयिा से मलिी जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश को पर्यटन के लहिाज से देश का फेवरेट डेस्टनिेशन बनाने की दशिा में प्रदेश की चुनदिा ऐतहािसकि धरोहरों को लग्जरी होटल सहति एडैप्टवि रीयूज एसेट्स में बदलने की प्रक्रयिा शुरू कर दी गई है।

प्रमुख बदिु

- इस कार्य को अंजाम देने के लयि एजेंसयिों के नरि्धारण की प्रक्रयिा भी शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश पर्यटन वभिाग द्वारा कुल 490 करोड़ रुपए के नविश के जरयि इन ऐतहािसकि धरोहरों का कायाकल्प कयिा जाएगा।
- कार्य योजना के अनुसार, लखनऊ के छतरमंजलि, मरि्जापुर के चुनार फोर्ट व झांसी के बरुआ सागर फोर्ट का 100 करोड़ रुपए के नविश से कायाकल्प कयिा जाएगा।
- इसी प्रकार, लखनऊ की कोठी गुलसि्तान-ए-इरम, कोठी दर्शन वलिास व कोठी रौशन-उद्-दौला में 50-50 करोड़ रुपए के नविश से कायाकल्प कयिा जाएगा।
- प्रदेश में मथुरा के बरसाना स्थति जल महल सहति कानपुर देहात के शुक्ला तलाब व कानपुर नगर स्थति टकिैत राय बारादरी को भी 30-30 करोड़ रुपए के नविश के जरयि एडैप्टवि रीयूज एसेट्स में तब्दील करने की योजना है।
- इसके अतरिकि्त, उत्तर प्रदेश पर्यटन वभिाग द्वारा राज्य के 10 राही टूरसि्ट बंगलों के भी वकिास के लयि लीज आधारति प्राइवेट सेक्टर पार्टसिपिशन (पीएसपी) की प्रक्रयिा शुरू कर दी गई है। इसमें बाराबंकी के देवा शरीफ, सीतापुर के हरगाँव, शामली के कांढला, एटा के सोरों, बुलंदशहर के खुरजा, अमेठी के मुंशीगंज, एटा के पटना पक्षी वहिार, बदायूँ के काछला, मरि्जापुर के चुनार व प्रतापगढ़ के भूपयिा मऊ शामलि हैं।
- वदिति हो कि राज्य सरकार द्वारा नजिी क्षेत्रों के नविश के माध्यम से वरिासत संपत्तयिों को उनका प्राचीन गौरव लौटाने की महत्त्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में, इन स्थानों को वेलनेस सेंटर, हेरटिेज होटल, लग्जरी रजिॉर्ट्स, म्यूजयिम, बुटीक रेस्तरां, मैरजि डेस्टनिेशन व वेडगि वेन्यू, एडवेंचर टूरज़िम स्पॉट, होमस्टे, थीमपार्क तथा अन्य पर्यटक व अतथिि इकाइयों में परविर्तति करने की प्रक्रयिा शुरू कर दी गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-process-of-converting-9-historical-heritage-sites-into-adaptive-reuse-assets-including-luxury-hotels